This question paper contains **1** printed page]

B—486—2019

FACULTY OF ARTS

B.A. (Third Year) (Sixth Semester) (Backlog) EXAMINATION

OCTOBER/NOVEMBER, 2019

(New Course)

HINDI

Paper XIV

(भारतीय साहित्य)

(Saturday, 30-11-2019) **Time : 10.00 a.m. to 12.00 noon**

Time— Two Hours *Maximum Marks*—40

N.B. :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) अंकों का वितरण प्रश्नों के अनुसार है।

1. स्त्री विमर्श के परिप्रेक्ष्य में 'गुड़िया भीतर गुड़िया' आत्मकथा का मूल्यांकन कीजिए। 15

अथवा

'गुड़िया भीतर गुड़िया' स्त्री मन की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है। समझाइए।

2. महादेवी वर्मा के 'पथ के साथी' सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला जी' के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

महादेवी वर्मा के संस्मरण 'पथ के साथी' के अनुसार सियारामशरण गुप्त मनुष्यता की विजययात्रा के पथिक हैं। स्पष्ट कीजिए।

3. टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) 'गुड़िया भीतर गुड़िया' शीर्षक की सार्थकता। 5

अथवा

साहित्यकार मैत्रेयी पुष्पा।

(ब) 'पथ के साथी' के रूप में जयशंकर प्रसाद। 5

अथवा

राष्ट्रीय कवयित्री सुभद्राकुमारी चौहान।

5B7665FFB083628A9D5EB26AF90453B6